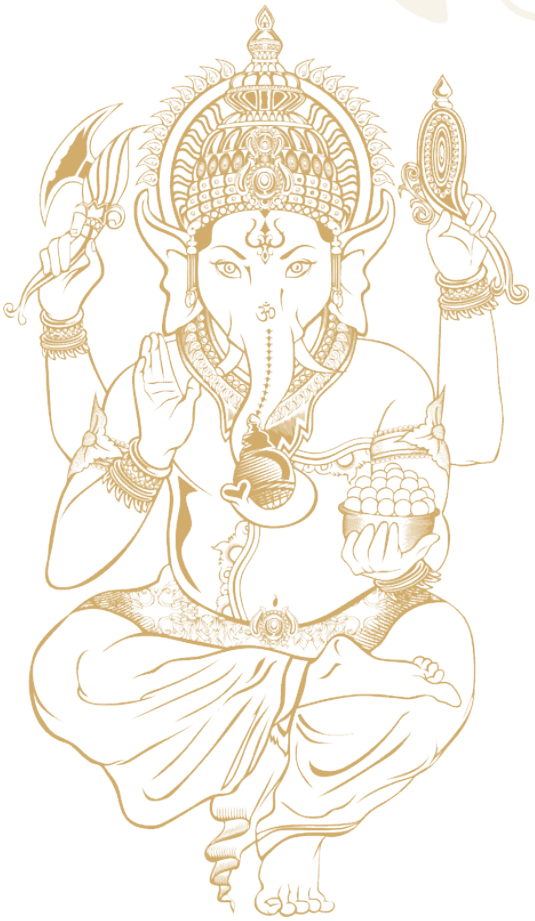

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/02/2026	जन्म तिथि	11/02/2026
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:35:00	जन्म समय	20:35:00 घंटे
घटी 33:49:50	जन्म समय(घटी)	33:49:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:03	सूर्योदय	07:03:03
18:08:02	सूर्यास्त	18:08:02
24:13:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 10वर्ष 10मा 11दि	01:30:43	कन्या	लग्न	कन्या	01:30:43	बुध 10वर्ष 10मा 11दि
बुध	28:40:12	मक	सूर्य	मक	28:40:12	बुध
11/02/2026	21:28:39	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	21:28:39	11/02/2026
24/12/2036	20:50:29	मक	मंगल	मक	20:50:29	24/12/2036
00/00/0000	13:46:53	कुंभ	बुध	कुंभ	13:46:53	00/00/0000
11/02/2026	22:04:49	मिथु व	गुरु व	मिथु	22:04:49	11/02/2026
शुक्र 20/03/2026	07:16:42	कुंभ	शुक्र	कुंभ	07:16:42	शुक्र 20/03/2026
सूर्य 24/01/2027	05:31:00	मीन	शनि	मीन	05:31:00	सूर्य 24/01/2027
चन्द्र 25/06/2028	15:44:35	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:44:35	चन्द्र 25/06/2028
मंगल 22/06/2029	15:44:35	सिंह व	केतु व	सिंह	15:44:35	मंगल 22/06/2029
राहु 09/01/2032	03:15:40	वृष	हर्ष	वृष	03:15:40	राहु 09/01/2032
गुरु 16/04/2034	06:13:50	मीन	नेप	मीन	06:13:50	गुरु 16/04/2034
शनि 24/12/2036	09:48:19	मक	प्लूटो	मक	09:48:19	शनि 24/12/2036

लग्न-चलित

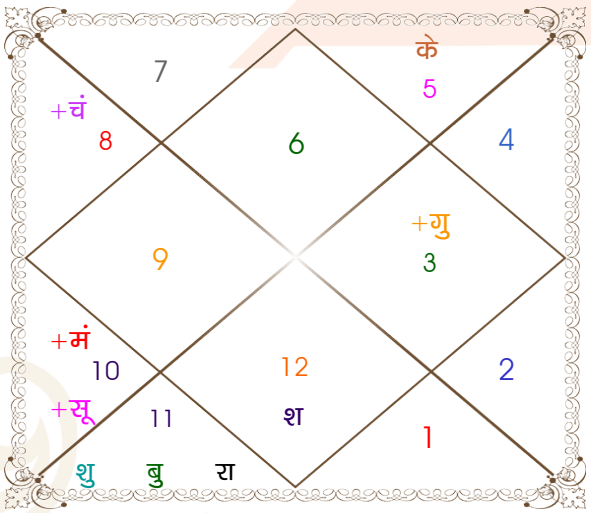

लग्न-चलित

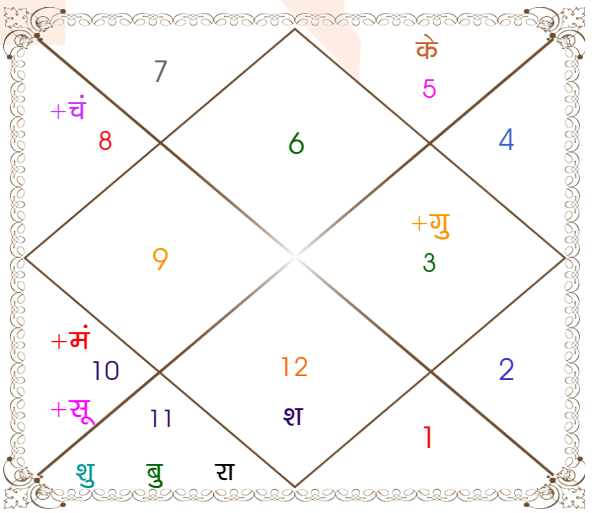

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।